विश्वव्यापी है शिव की महिमा–दादी जानकी

अन्तर्राष्ट्रीय सभा में हुआ भगवान शिव का उदघोष

आबू रोड, 13 फरवरी, निसं। परमात्मा शिव केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियां के तारनहार है। यह उस समय साकार हो उठा जब महाशिवरात्रि के अवसर पर सायंकलीन आयोजित कार्यक्रम में साठ देशों के प्रतिनिधियों ने प्रतिनिधित्व करते हुए सत्यम शिवम सुन्दरम का उदघोष किया। अन्तर्राष्ट्रीय सभा को सज्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुज़्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि पूरे दुनियां की समस्त मानव जाति एक परमात्मा की संतान है। केवल हम शरीरों और रंगों से अलग–अलग है। सभी मानव शरीर में निवास करने वाली आत्मायें है जो परमात्मा की बनायी हुई है। इसलिए हमारा एक स्वधर्म और एक घर और एक पिता परमात्मा शिव है। डायमंड हॉल में उपस्थित लोगों के समक्ष बोल रही थी।

आगे उन्होनें कहा कि काशी से काबा तथा पूरे विश्व के कोने में शिव परमात्ज़ा की महिमा अपरज़्पार है। परमात्मा ने जो हमें मानवीय एकता का संदेश दिया है उसको जीवन में उतारने से ज्ञान प्रकाश और ईश्वरीय शक्ति का संचार होता है। उन्होंने मंच पर उपस्थित 46 देशों के लोगों के प्रतिनिधियों की मुक्त कंठ से सराहना की तथा उन्हें भारतीय संस्कृत को पूरे विश्व में फैलाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर दिल्ली सरकार के मुज़्य सचिव राकेश मेहता ने कहा कि आज इस हॉल में उपस्थित होकर मैं अपने को धन्य महसूस कर रहा हूँ कि पूरे दुनियां के लोग शिव परमात्ज़ा के इस महामहोत्सव में भाग लेने आये हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने बाहरी आवरण को भूलकर आत्मिक आवरण का वरण करना प्रारज़्भ कर दें तो पूरी दुनियां से भेदभाव की समाप्ति हो जायेगी तथा एकता का साम्राज्य स्थापित होगा।

संस्था की अतिरिक्त मुज़्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि हमें अपने उन पांचा विकारों को निकाल फेकना चाहिए जो हमें तथा दूसरों को तंग करते हैं। इन विकारों की वजह से ही मानव की मनुष्यता पर कलंक लग रहा है। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से परमात्मा से मिले सदगुण और शक्तियों को अपनाने की सलाह दी।

एनईटीवी तथा हमार टीवी के निदेशक रामा राजू ने कहा कि आज जिस तरह से समाज में मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा है वह वास्तव में चिंताजनक है। इसे दूर करने का उपाय सिर्फ परमात्ज़ा शिव का ज्ञान और उनकी शक्ति है। इसलिए हम सज़ी को मिलकर परमात्ज़ा की शक्ति को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर ने सभा में उपस्थित लोगों का आभार प्रस्तुत किया। संस्था के मीडिया प्रवक्ता ब्रह्माकुमार करूणा ने उपस्थित लोगों को परमात्मा शिव के ज्ञान को अपने जीवन में अपनाने की सलाह दी।

संस्था की संयुक्त मुज़्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अमेरिका से आयी अमेरिका सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र0 कु0 मोहिनी तथा रशिया से आयी विक्टोरिया, पोर्तुगुल से आयी सीलविया परमात्ज़ा शिव के गीत गाये। दूरदर्शन तथा आस्था चैनल में एंकरिंग कर अपनी पहचान बना चुकी कनुप्रिया तथा आस्था चैनल के माध्यम से लाखों लोगों की जिन्दगी में ऊर्जा का संचार कर चुकी तनावमुक्त प्रबन्धन विशेषज्ञा ब्र0 कु0 शिवानी टाक शो में अनेक सवालों का उत्तर दिया।

इसके साथ ही सभी देशों के प्रतिनिधियों ने मंच पर उपस्थित होकर शिवध्वज लहराये तथा ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग को पूरे दुनियां में फैलाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अमेरिका, आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, जापान, लंदन, जर्मनी, कुवैत, न्यूजीलैड, फिलीपिंस, साउथ अफ्रीका, स्पेन, हांग कांग, हालैण्ड, केन्या, फ्रांस, सिंगापुर, स्वीटजरलैंड, ट्रिनीडाड, श्रीलंका आदि के साथ 46 देशों के लोगों ने अपने-अपने अनुभव साझा किये।

फोटो, 13एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 महाशिवरात्रि के महोत्सव के अवसर पर सञ्बोधित करते दादी जानकी तथा उपस्थित 46 देशों के प्रतिनिध। झंडा लहराते दादी के साथ अन्य अतिथि।